डाक पंजीयन संख्या- RJ/JPM/160/2024-26
RNI NO.- RAJHIN/2021/80841

संस्कार सृजन

हिन्दी पाक्षिक
CBC CODE-134222
पृष्ठ संख्या 2

सम्पादक: राम गोपाल सैनी
मो.: 9214996258

वर्ष: 05 | अंक: 1 | पृष्ठ : 4 | जयपुर, मंगलवार 7 अप्रैल, 2026 | मूल्य: 05 रू. | वार्षिक मूल्य : 150 रू.

माली समाज का 19वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न,रामनवमी पर 27 जोड़े बने जीवनसाथी

चौमूं (संस्कार सृजन)

रामनवमी के अबूझ सावे पर माली समाज विकास समिति चौमूं के तत्वावधान में गुरुवार को 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हुआ। इसमें 27 जोड़े वैदिक रीति-रिवाजों के साथ विवाह बंधन में बंधे। सुबह आदर्श विद्या मंदिर से दूल्हे पारंपरिक वेशभूषा में सजी-धजी घोड़ियों पर सवार होकर बारात के साथ रवाना हुए। बारात थाना मोड़ चौराहा, जयपुर रोड होते हुए सैनी समाज सभा भवन पहुंची। यहां तोरण, वरमाला और पाणिग्रहण की रस्में संपन्न हुई। गायत्री परिवार के आचार्य पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी जोड़ों का विधिवत पाणिग्रहण संस्कार संपन्न करवाया।वहीं सामूहिक बारात का थाना मोड़ चौराहे से बस स्टैंड तक बनाए गए तोरणद्वारों पर सामाजिक, व्यापारिक, धार्मिक व राजनीतिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर बारातियों का अभिनंदन किया। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत, यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा, भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी, विधायक डॉ. शिखा मील बराला, पूर्व विधायक रामलाल शर्मा, पूर्व विधायक भगवान सहाय सैनी, भाजपा के पूर्व जिलांध्यक्ष श्याम शर्मा, आरएलपी नेता छुट्टन यादव, निवर्तमान सभापति विष्णु सैनी आरपीएस अधिकारी प्रदीप शर्मा, थाना प्रभारी हरबेन्द्र सिंह सहित अनेक लोगों ने शिरकत की।

अंजनी हनुमान मंदिर के महामंडलेश्वर हरिकृष्ण दास ग्वालिया बाबा ने सभी को आशीर्वचन दिए। अतिथियों का स्वागत समिति अध्यक्ष हीरालाल सैनी पांच्या के नेतृत्व में माला, साफा और वीर हनुमानजी की तस्वीर भेंटकर किया गया।

सम्मेलन में समाज के लिए भूमि आवंटन की मांग उठाई गई, जिस पर सभी जनप्रतिनिधियों ने सकारात्मक आश्वासन दिया। विधायक बराला ने समाज की लड़कियों के लिए लाइब्रेरी निर्माण की घोषणा भी की। इस दौरान समिति महामंत्री मदनलाल मालेरिया, कोषाध्यक्ष एडवोकेट कुमार गौरव सैनी, पूर्व अध्यक्ष दिनेश तिगरिया, राधेश्याम तंवर, मदनलाल सतरावला, घीसालाल सैनी, श्रवण सैनी, डॉ. ओ.पी. कटारिया, डॉ. नरेंद्र सैनी, डॉ. आशुतोष सैनी, उपाध्यक्ष गणेश बैनाड़िया, सैनी अधिकारी कर्मचारी समिति के ब्लॉक चौमूं अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद सिंगोदिंया, ओमप्रकाश भगत, भवन निर्माण समिति अध्यक्ष जयनारायण चांदोलिया, डॉ. मानप्रकाश सैनी, सुरेश कुमार तंवर, निवर्तमान पार्षद रमेश सैनी, सायर सैनी, दिनेश पांच्या सहित अनेक पदाधिकारी व समाज के लोग उपस्थित रहे। मंच का प्रभावी संचालन एंकर अमित सैनी ने किया।

सैनी समाज के सामूहिक विवाह सम्मेलन में राजस्थानी फिल्म कलाकारों ने बांधा समां

जयपुर (संस्कार सृजन)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सैनी समाज सुधार संस्था डिग्गी रोड, सांगानेर, जयपुर द्वारा रामनवमी के अबूझ सावे पर आठवां आदर्श सामूहिक विवाह सम्मेलन रामपाल बाबा की ढाणी, गूलर का बंधा, शिकारपुरा रोड, सांगानेर, जयपुर में आयोजित हुआ।संस्था के अध्यक्ष राम नारायण सैनी, संयोजक बुधसिंह सैनी और सम्मेलन अध्यक्ष कन्हैया लाल सैनी ने बताया कि आठवें सामूहिक विवाह सम्मेलन में 20 जोड़े परिणय सूत्र बंधन में बंधे । इस दौरान कलश यात्रा, भात और शाम 5 बजे से महिला संगीत का कार्यक्रम हुआ, जिसमें राजस्थानी फिल्मों के कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर लोगों को मन्त्र मुग्ध कर दिया । इस दौरान अप्रैल माह में रिलीज होने वाली राजस्थानी फीच्रर फिल्म हमारी बेटियां की एक्ट्रेस रेखा परिहार,एक्टर उग्रसेन तंवर और शालू सागर, शिल्पा शर्मा, भारती, अमित, सरोज ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियांदी । इसके बाद बारात, तोरण, पाणिग्रहण संस्कार, प्रीतिभोज, आशीर्वाद और विदाई समारोह का आयोजन हुआ । सभी कलाकारों का आयोजकों द्वारा सम्मान किया गया।

समाजसेवी रजनीश यादव के जन्मदिन पर हुआ रक्तदान शिविर एवं फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन

चौमूं (संस्कार सृजन)। कानपुरा ग्राम के समाजसेवी रजनीश यादव के जन्मदिन पर रक्तदान शिविर एवं फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन किया गया, जिसमें 113 युवाओं ने रक्तदान किया और सैकंड़ों लोगों ने फिजियोथैरेपी कैंप का लाभ लिया ।

वहीं जयपुर हेल्थ केयर हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉक्टर आरके सैनी ने अपनी टीम सहित फिजियोथैरेपी की सेवाएं प्रदान की ।

कार्यक्रम में लाम्बी अहीर ग्राम पंचायत प्रशासक नीरू यादव, समाजसेवी महेश यादव, आरएलपी नेता छुटटन यादव, कांग्रेस नेता प्रियांशु राजोरिया, सुभाष डागर, भाजपा नेता लालू यादव, जिला पार्षद पवन वर्मा, पंचायत समिति सदस्य महेश यादव, पूर्व जिलाध्यक्ष श्याम शर्मा, गुलज़ारी गंगवाल सहित कई जनप्रतिनिधि एवं समाजसेवी उपस्थित रहे ।

सुबोध पब्लिक स्कूल एयरपोर्ट में ग्रेज़ुएशन डे का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। सुबोध पब्लिक स्कूल, नियर एयरपोर्ट, सांगानेर में ग्रेजुएशन डे का आयोजन बड़े उत्साह और शानदार तरीके से किया गया। स्कूल ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह ने कक्षा- II और कक्षा - के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ, जो नए शैक्षिक सफर की ओर बढ़े कार्यक्रम की शुरुआत णमोकार मंत्र और श्लोक पाठ से हुई। जिसके बाद रावी जैन (कक्षा II) और जयेशा मलिक (कक्षा V) ने अपने अनुभव साझा किए। छात्रों ने स्किलप्रेन्योर कैंप से सीखे हुए अपने हुनर को बैंड, थियेटर, गीत और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत किया। दीक्षांत समारोह में युवा प्रतिभाओं को कैप और सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया।

छात्रों की इस यात्रा को आकार देने में शिक्षकों के अटूट समर्थन और प्रोत्साहन ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे समारोह और भी अर्थपूर्ण हो गया। प्रधानाचार्या शालिनी कपूर का प्रेरणादायक संबोधन छात्रों के विकास, आत्मविश्वास और नए सफर की शुरुआत का उत्सव बना।

सर्व समाज जागृति संघ ने नैतिक शर्मा को एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा

जयपुर (संस्कार सृजन)। सर्व समाज जागृति संघ के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद शर्मा ने राजस्थान माध्यमिक शिक्षा बोर्ड द्वारा आयोजित परीक्षा सत्र 2025-26 कक्षा दसवीं में 95 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर नैतिक शर्मा पुत्र महेश शर्मा निवासी लोहरवाड़ा को एकेडमिक एक्सीलेंस अवार्ड से नवाजा।डॉ. शर्मा ने कहा कि एक छोटे से ग्राम का बच्चा जो प्रतिदिन 10 किलोमीटर दूर प्रताप स्कूल चौमूं में जाकर पढ़ाई करके 95 प्रतिशत अंक लाना बड़े गौरव की बात है। इस बच्चे ने सेल्फ स्टडी से यह अंक प्राप्त किया है । ऐसे बच्चों के पास अगर थोड़ी भी कोचिंग सुविधा होती एवं उचित मार्गदर्शन होता तो यह बच्चा और भी अंक प्राप्त कर सकता था।डॉ. शर्मा का कहना है कि ऐसे बच्चों को प्रेरित करने के लिए उचित सम्मान करना चाहिए। आज

लोहरवाड़ा पहुंचकर नैतिक शर्मा को साफा बंधवाकर, माला पहनाकर, दुपट्टा ओढ़ाकर स्मृति चिन्ह दिया।इस समय समाजसेवी शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, समाजसेवी कैलाश तिवारी, प्रसिद्ध राम कथा वाचक पंडित महेश शर्मा हवेली वाले, साधुराम शर्मा, गोपाल शर्मा, टोनू महाराज, जिलाध्यक्ष आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा, साधुराम शर्मा, भूतपूर्व सरपंच कमल सिंह, उपसरपंच गिरधारी लाल यादव, श्रवण कुमार शर्मा, गोपाल शर्मा, हनुमान यादव, मोहन सिंह राणा, श्रवण जाट, अंजू अग्रवाल,राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य पंडित महेश शर्मा, पवित्रा देवी, सावित्री शर्मा, उमा देवी, रीना शर्मा, गायत्री शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

श्री महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के छात्र योगेश शर्मा ने 12वीं बोर्ड में लहराया परचम

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं तहसील के महारकलां ग्राम स्थित श्री महात्मा ज्योतिबा फुले शिक्षण संस्थान के 12वीं बोर्ड कला वर्ग में छात्र योगेश शर्मा पुत्र मामराज शर्मा ने परचम लहराया है ।डायरेक्टर रामलाल सैनी ने बताया कि स्कूल के छात्र योगेश शर्मा ने कला संकाय में 98.80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल और क्षेत्र का नाम रोशन किया है । हमारे स्कूल का लगातार शानदार रिजल्ट रहा है । हमारी फैकल्टी हमेशा अभिभावकों के विश्वास पर खरे उतरने का प्रयास करती है ।

संपादकीय

माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल

भारतीय संस्कृति में माता-पिता को देवतुल्य माना गया है- मातृदेवो भव, पितृदेवो भव केवल शास्त्रों की पंक्ति नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना की आत्मा रही है। इसलिए यह किसी भी सभ्य समाज के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है कि जन्म देने और पालन-पोषण करने वाले माता-पिता को जीवन की सांझ में उपेक्षा, अपमान और आर्थिक असुरक्षा का सामना करना पड़े, और उन्हें अपने ही बच्चों से गुजारा भत्ता पाने के लिए कानून और प्रशासन का सहारा लेना पड़े। दुर्भाग्य से यह आज के समय की कठोर वास्तविकता बनती जा रही है। बुढ़ापा अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। उम्र बढ़ने के साथ शरीर की क्षमताएं कम होने लगती हैं, बीमारियां बढ़ने लगती हैं और आय के स्रोत लगभग समाप्त हो जाते हैं। सेवानिवृत्ति के समय जो थोड़ी बहुत जमा-पूंजी होती है, वह बच्चों की पढ़ाई, शादी-ब्याह और मकान बनाने में खर्च हो जाती है। सरकारी नौकरी करने वालों को पेंशन मिल भी जाती है, लेकिन निजी क्षेत्र या छोटे व्यवसाय से जुड़े लोगों की स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। ऐसे समय में यदि बच्चे ही माता-पिता की देखभाल न करें तो यह केवल पारिवारिक विफलता नहीं, बल्कि सामाजिक अपराध की श्रेणी में आता है। इन्हीं परिस्थितियों को देखते हुए तेलंगाना विधानसभा द्वारा पारित तेलंगाना कर्मचारी जवाबदेही और माता-पिता सहायता निगरानी विधेयक 2026 एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक पहल के रूप में सामने आया है। इस विधेयक का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यदि बच्चे अपने माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो उनके वेतन से एक निश्चित राशि काटकर माता-पिता को दी जाए। यह कानून सरकारी कर्मचारियों के साथ-साथ निजी क्षेत्र के कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और स्थानीय निकायों के जनप्रतिनिधियों पर भी लागू होगा। इस प्रकार यह कानून केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी को कानूनी रूप देने का प्रयास है। हालांकि भारत में पहले से माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 मौजूद है, लेकिन तेलंगाना का यह नया विधेयक अधिक व्यापक, संवेदनात्मक और प्रभावी माना जा रहा है। इसमें प्रावधान है कि यदि बच्चे माता-पिता की देखभाल नहीं करते, तो शिकायत मिलने पर उनके वेतन से पंद्रह प्रतिशत या दस हजार रुपये (जो भी कम हो) काटकर माता-पिता के खाते में जमा किए जाएंगे। शिकायत का निस्तारण जिला कलेक्टर द्वारा साठ दिनों के भीतर किया जाएगा और इसके लिए वरिष्ठ नागरिक आयोग का गठन भी किया जाएगा। इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि इसमें केवल जैविक माता-पिता ही नहीं, बल्कि सौतेले माता-पिता भी शिकायत कर सकते हैं।यह कानून इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारतीय परिवार व्यवस्था तेजी से बदल रही है। संयुक्त परिवार टूटकर एकल परिवार में बदल चुके हैं और अब तो एक व्यक्ति परिवार की अवधारणा भी विकसित हो रही है। करियर की दौड़, आर्थिक दबाव, शहरी जीवनशैली, सुविधावाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की बढ़ती भावना ने परिवार की पारंपरिक संरचना को कमजोर किया है। कई बार माता-पिता को घर से निकालकर वृद्धाश्रम भेज दिया जाता है, और यदि घर में रख भी लिया जाए तो उन्हें उपेक्षा, तिरस्कार और मानसिक पीड़ा सहनी पड़ती है। उनकी दवाइयों, भोजन और देखभाल तक में लापरवाही बरती जाती है। ऐसी परिस्थितियों में यह प्रश्न उठता है कि क्या माता-पिता की सेवा केवल संस्कारों से सुनिश्चित की जा सकती है या इसके लिए कानून की भी आवश्यकता है? आदर्श स्थिति में तो संस्कार ही पर्याप्त होने चाहिए। भारतीय इतिहास और परंपरा में माता-पिता की सेवा के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रवण कुमार का उदाहरण तो भारतीय संस्कृति में आदर्श पुत्र का प्रतीक बन चुका है, जिसने अपने अंधे माता-पिता को कंधे पर बैठाकर तीर्थ यात्रा करवाई। इसी प्रकार भगवान श्रीराम ने पिता के वचन को निभाने के लिए राजपाट छोड़कर वनवास स्वीकार किया। यह केवल धार्मिक कथाएं नहीं, बल्कि भारतीय समाज की नैतिक संरचना के आदर्श हैं।इतिहास में छत्रपति शिवाजी, महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद जैसे अनेक व्यक्तित्वों के जीवन में भी माता-पिता के प्रति गहरी श्रद्धा और सम्मान देखने को मिलता है। इससे स्पष्ट होता है कि माता-पिता के प्रति सम्मान और सेवा भारतीय संस्कृति की मूल आत्मा रही है। लेकिन आज जब संस्कार कमजोर हो रहे हैं, तब समाज को कानून का सहारा लेना पड़ रहा है।

9 अप्रैल से बढ़ेगी परेशानी, इन राशियों को रहना होगा सावधान

अप्रैल के दूसरे हफ्ते में एक अहम ग्रह स्थिति बनने जा रही है, जिसका असर कई राशियों पर दिख सकता है। 9 अप्रैल 2026 को सूर्य और बृहस्पति के बीच एक खास तरह का संबंध बनेगा, जिसे ज्योतिष में केंद्र दृष्टि योग कहा जाता है। यह योग तब बनता है, जब दोनों ग्रह एक-दूसरे से चौथे या दसवें स्थान पर होते हैं। सूर्य जहां आत्मविश्वास, ताकत और अहं का कारक है, वहीं बृहस्पति ज्ञान और समझ का। ऐसे में जब ये दोनों आमने-सामने आते हैं, तो कई बार सोच और फैसलों में टकराव बढ़ सकता है। इस योग का असर हर किसी पर अलग-अलग तरीके से पड़ेगा, लेकिन कुछ राशियों के लिए यह समय थोड़ा संभलकर चलने वाला रहेगा। खासकर फैसले लेने में गलती होने की संभावना बढ़ सकती है, इसलिए जल्दबाजी से बचना जरूरी है।

आइए जानते हैं, किन राशियों को सावधान रहने की आवश्यकता है-

मेष राशि- मेष राशि वालों के लिए यह समय थोड़ा मिला-जुला असर देने वाला है। सूर्य आपकी ही राशि में है, इसलिए आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन साथ ही गुस्सा भी बढ़ सकता है। ऊपर बैठे लोगों या परिवार के बड़ों से बहस होने की स्थिति बन सकती है। सरकारी काम या कागज से जुड़े मामलों में रुकावट आ सकती है। इस समय सबसे जरूरी है कि कोई भी दस्तावेज साइन करने से पहले उसे अच्छे से पढ़ लें। जल्दबाजी यहां नुकसान दे सकती है।

वृषभ राशि- वृषभ राशि वालों को इस दौरान पैसों के मामले में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। अचानक खर्च बढ़ सकते हैं और बजट बिगड़ सकता है। अगर आप कहीं निवेश करने की सोच रहे हैं, तो थोड़ा रुक जाना बेहतर रहेगा। नुकसान के संकेत दिख रहे हैं। कोई काम आखिरी समय पर अटक सकता है, जिससे मन परेशान हो सकता है। इस समय उधार देने से भी बचें।

सिंह राशि- सिंह राशि वालों के लिए यह योग इमेज और करियर पर असर डाल सकता है। कार्यस्थल पर आपकी बातों को गलत तरीके से लिया जा सकता है। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है। इसलिए सोच-समझकर ही कोई कदम उठाएं। इस समय अपनी बात को शांत तरीके से रखना ज्यादा जरूरी रहेगा। बेवजह की बहस से दूरी बनाकर रखें।

वृश्चिक राशि- वृश्चिक राशि वालों के लिए यह समय मानसिक रूप से थोड़ा भारी रह सकता है। तनाव बढ़ सकता है और उसका असर सेहत पर भी दिख सकता है। घर में जमीन-जायदाद या संपत्ति से जुड़ी बातों को लेकर विवाद हो सकता है। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। साथ ही थोड़ा समय खुद के लिए निकालें। ध्यान या योग करने से राहत मिल सकती है।

अमूल्य ज्ञान का बोध

✻ सोलह संस्कार

1.गर्भाधान संस्कार 2. पुंसवन संस्कार 3. सीमन्तोन्नयन संस्कार 4. जातकर्म संस्कार 5. नामकरण संस्कार 6.निष्क्रमण संस्कार 7. अन्नप्राशन संस्कार 8. मुंडन संस्कार 9. कर्णवेधन संस्कार 10. यज्ञोपवीत संस्कार 11. वेदारंभ संस्कार 12. केशांत संस्कार 13. समावर्तन संस्कार 14. विवाह संस्कार 15. सन्यास संस्कार 16. अन्त्येष्टि संस्कार

✻ अष्ट सिद्धि

1.अणिमा 2. महिमा 3. गरिमा 4. लघिमा . 5.प्राप्ति 6. प्राकाम्य 7. ईशित्व 8. वशित्व

✻ नव निधियां

1.पद्म निधि 2. महापद्म निधि 3. नील 4. मुकुंद निधि 5. नंद निधि 6.मकर निधि 7. कच्छप निधि 8. शंख निधि 9. खर्व निधि

✻ 27 नक्षत्र

1.आश्विन, 2.भरणी, 3.कृतिका, 4.रोहिणी, 5.मृगशिरा, 6.आर्द्रा 7.पुनर्वसु, 8.पुष्य, 9.आश्लेषा, 10.मघा, 11.पूर्वा फाल्गुनी, 12.उत्तरा फाल्गुनी, 13.हस्त, 14.चित्रा, 15.स्वाति, 16.विशाखा, 1।.अनुराधा, 18.ज्येष्ठा, 19.मूल, 20.पूर्वाषाढ़ा, 21.उत्तराषाढ़ा, 22.श्रवण, 23.धनिष्ठा, 24.शतभिषा, 25.पूर्वा भाद्रपद, 26.उत्तरा भाद्रपद और 27.रेवती

✻ 12 राशियाँ

1. मेष 2. वृषभ 3. मिथुन 4. कर्क 5. सिंह 6. कन्या 7. तुला 8. वृश्चिक 9. धनु 10. मकर 11. कुम्भ 12.मीन

✻ नवग्रह

1.सूर्य 2.चंद्र 3.मंगल 4.बुध 5.बृहस्पति 6.शुक्र 7.शनि 8.राहू 9.केतु

✻ चार वेद

1.ऋग्वेद 2.यजुर्वेद 3.सामवेद 4.अथर्ववेद

✻ सप्त ऋषि

1.वशिष्ठ 2.विश्वामित्र 3.कण्व 4.भारद्वाज 5.अत्रि 6.वामदेव 7.शौनक

✻ 18 पुराण

1.ब्रह्म पुराण 2.पद्म पुराण 3.विष्णु पुराण 4. वायु पुराण (शिव पुराण)5.भागवत पुराण 6.नारद पुराण 7. मार्कण्डेय पुराण 8.अग्नि पुराण 9.भविष्य पुराण 10.ब्रह्मवैवर्त पुराण 11.लिंग पुराण 12.वाराह पुराण 13.स्कन्द पुराण 14.वामन पुराण 15.कूर्म पुराण 16.मत्स्य पुराण 17.गरुड पुराण 18.ब्रह्माण्ड पुराण

✻ सोलह श्रृंगार

1.बिंदी, 2. सिंदूर, 3. काजल, 4. मेहन्दी, 5. चूड़ियाँ, 6. मंगल सूत्र, 7. नथ, 8. गजरा, 9. मांग टीका, 10. झुमके, 11. बाजूबंद, 12. कमरबंद, 13. बिछिया, 14. पायल, 15. अंगूठी, 16. स्नान

शांता किड्स एकेडमी कालाडेरा में हुआ सफर ए जिंदगी वार्षिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)। कालाडेरा स्थित शांता किड्स एकेडमी में वार्षिक उत्सव सफर ए जिंदगी का भव्य आयोजन बड़े उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर रंग-बिरंगी सजावट और उत्सव के माहौल से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना के साथ की । इसके पश्चात विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में भारतीय संस्कृति, राजस्थानी लोक परंपरा एवं धार्मिक मूल्यों का अद्भुत संगम देखने को मिला।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने राजस्थानी लोकनृत्य, देशभक्ति गीत, नाट्य प्रस्तुतियों एवं विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों के माध्यम से सफर ए जिंदगी की थीम को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया। उनकी प्रस्तुति ने उपस्थित अभिभावकों एवं अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मधूसुदन व तुषार योगी ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होते हैं। इससे बच्चों में आत्मविश्वास, टीमवर्क एवं अपनी संस्कृति के प्रति जुड़ाव की भावना विकसित होती है।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करते हुए सम्मानित किया गया। अभिभावकों ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए विद्यालय के प्रयासों की प्रशंसा की।

सुनीता मीणा लगातार चौथी बार बनी बेटी फाउंडेशन क्लब की ब्रांड एंबेसडर

जयपुर (संस्कार सृजन)। सामाजिक सरोकारों और महिला उत्थान के क्षेत्र में सक्रिय अग्रणी संस्था बेटी फाउंडेशन क्लब ने महिला सशक्तिकरण की मुखर आवाज सुनीता मीणा को लगातार चौथी बार अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त किया है।

यह निर्णय सुनीता मीणा द्वारा पिछले छह वर्षों से जमीनी स्तर पर किए जा रहे असाधारण कार्यों और समाज में उनके गहराते प्रभाव को देखते हुए लिया गया है। सुनीता मीणा पिछले छह साल से प्रदेश के दूर-दराज के गांवों, ढाणियों और कस्बों में जाकर महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक कर रही हैं। उन्होंने न केवल बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान को घर-घर पहुँचाया है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा जनहित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी भी समाज के अंतिम छोर पर बैठी महिलाओं तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

बेटी फाउंडेशन क्लब के संस्थापक राज शर्मा और पदाधिकारियों ने बताया कि सुनीता मीणा का चयन उनके निस्वार्थ सामाजिक कार्यों और महिला उत्थान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता के आधार पर किया गया है। उनके नेतृत्व में फाउंडेशन के अभियानों को नई गति मिली है और हजारों महिलाएं आत्मनिर्भरता की राह पर अग्रसर हुई हैं।

धर्म दर्शन

पाक्षिक राशिफल

अंतर्राष्ट्रीय भविष्यवक्ता
पंडित रविन्द्राचार्य

मेष- जो काम जरूरी है, उसे पहले निपटाएं। ऑफिस में सीनियर्स की नजर आप पर रहेगी। लापरवाही से बचें। परिवार के साथ तालमेल बना रहेगा। हालांकि गुस्से में कही गई बात से दूरी आ सकती है। खर्च बढ़ सकते हैं। सोच-समझकर खर्च करें। सेहत में थकान महसूस हो सकती है।

वृषभ- किसी पुराने काम में प्रगति हो सकती है। आपकी मेहनत जारी रहनी चाहिए। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। रिश्तों में समझदारी से काम लें। जिद से बचें। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। खान-पान पर ध्यान दें।

मिथुन- काम की रफ्तार तेज रहेगी। आपके सामने नए मौके आ सकते हैं। सोच-समझकर फैसला लें। ऑफिस में काम का दबाव बढ़ सकता है। रिश्तों में छोटी बात पर तनाव हो सकता है। बातचीत साफ रखें। पैसों के मामले में स्थिति सामान्य रहेगी।

कर्क- मन बार-बार भटक सकता है। काम पर ध्यान लगाना जरूरी रहेगा। लापरवाही से नुकसान हो सकता है। परिवार का साथ मिलेगा। आर्थिक मामलों में जोखिम लेने से बचें। रिश्तों में भावनाओं को समझना जरूरी है। स्वास्थ्य में कमजोरी हो सकती है।

सिंह- काम का दबाव बढ़ सकता है। ऑफिस में जिम्मेदारी बढ़ेगी। आपके काम की जांच भी हो सकती है। सीनियर्स से तालमेल बनाकर चलें। रिश्तों में धैर्य रखें। पैसों के मामले में खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत में थकान रहेगी।

कन्या- आप काम को व्यवस्थित तरीके से करेंगे। ऑफिस में आपकी मेहनत दिखेगी। रिश्तों में सुधार देखने को मिलेगा। बातचीत से चीजें ठीक होंगी। आर्थिक मामलों में सतर्क रहें। अनावश्यक खर्च से बचें। सेहत में पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

तुला- काम और घर दोनों पर ध्यान देना होगा। ऑफिस में काम का दबाव रह सकता है। निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। रिश्तों में स्पष्टता जरूरी है। बात छिपाने से समस्या बढ़ सकती है। पैसों के मामले में खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत में मानसिक थकान हो सकती है।

वृश्चिक - आप अंदर ही अंदर कई बातों पर विचार करेंगे। काम में ध्यान भटक सकता है। फोकस जरूरी है। रिश्तों में गहराई बढ़ेगी। लेकिन बात साफ रखें। पैसों के मामले में जोखिम से बचें। सेहत में नींद की कमी हो सकती है।

धनु - नए मौके मिल सकते हैं। काम में प्रगति होगी। कॉन्फिडेंस बढ़ेगा। लेकिन जल्दबाजी में फैसला लेने से बचें। रिश्तों में तालमेल अच्छा रहेगा। पैसों की स्थिति ठीक रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी।

मकर - काम का दबाव रहेगा। आपको कई काम एक साथ संभालने पड़ सकते हैं। हफ्ते के अंत में राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति में सुधार के संकेत हैं। रिश्तों में समय देना जरूरी है। सेहत में थकान रहेगी।

कुंभ - कुछ काम बनेंगे, कुछ अटक सकते हैं। काम में धैर्य रखना जरूरी है। नए लोगों से संपर्क बन सकता है। रिश्तों में साफ बात करना जरूरी है। पैसों के मामले में खर्च बढ़ सकते हैं। सेहत सामान्य रहेगी।

मीन - मीन राशि वालों के लिए यह समय बेहतर रहेगा। रुके हुए काम आगे बढ़ सकते हैं। काम में नए मौके मिल सकते हैं। रिश्तों में सुधार होगा। पैसों के मामले में स्थिति ठीक रहेगी। ज्यादा सोचने से बचें। सेहत सामान्य रहे।

(कहानी) राजा और लालची मंत्री

बहुत पुरानी बात है दक्षिण भारत में एक राजा राज्य करता था। राजा का राज्य समुद्र के किनारे था। राजा को भोजन के साथ मछलियां खाने का बहुत शौक था। बिना मछलियों के राजा का भोजन अधूरा रहता था ।

एक बार की बात है राजा के राज्य में बहुत तेज तूफान आया जिसके कारण कोई भी मछुआरा मछली पकड़ने के लिए समुद्र में नहीं जा सका। उस दिन राजा को भोजन में मछलियां नहीं मिली जिससे राजा बहुत उदास हो गया। राजा ने जब अपने मंत्रियों से इस बारे में पूछा तो उन्होंने बतलाया कि इतने तेज तूफान में समुद्र में मछली पकड़ने जाना अपनी जान पर खेलने के समान है इसलिए कोई भी मछुआरा समुद्र नहीं जा रहा है।

राजा ने घोषणा करवाई की जो भी समुद्र से ताजी मछलियां लाएगा उसे मुंह मांगा इनाम दिया जाएगा। राजा की घोषणा सुनकर मछुआरों के मन में लालच तो आया किंतु कोई भी मछुआरा अपनी जान जोखिम में डालने के लिए तैयार नहीं हुआ।

उसी राज्य में एक बहुत ही गरीब मछुआरा रहता था उसे जब राजा की इस घोषणा का पता चला तो अपनी दरिद्रता दूर करने के लिए वह अपनी जान की परवाह किए बगैर समुद्र में चला गया। समुद्र में उसने जाल फेंका जिसमें कई बड़ी-बड़ी मछलियां फंस गई। मछुआरा मछलियां लेकर राजा के महल पहुंच किंतु राजा के सैनिकों ने उसे महल में नहीं घुसने दिया।

राजा के एक खास मंत्री ने मछुआरे को ताजी मछलियों के साथ देखा तो मछुआरे को अपने साथ राजा के पास ले जाने के लिए तैयार हो गया । मंत्री जानता था कि राजा मछलियां देखकर बहुत अधिक प्रसन्न होगा और इसके बदले मछुआरे को बहुत सारा धन देगा इसलिए उसने मछुआरे के समक्ष एक शर्त रखी की जो भी इनाम मिलेगा उसका आधा हिस्सा मंत्री अपने पास रखेगा। मछुआरा मंत्री की बात मान गया और मंत्री मछुआरे को लेकर राजा के पास पहुंचा।

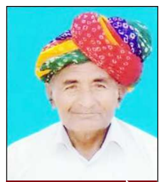
प्रभाती लाल सैनी

मछुआरे के पास ताजी-ताजी मछलियां देख राजा बहुत खुश हुआ। राजा ने मछुआरे को मुंह मांगा इनाम मांगने के लिए कहा। मछुआरा राजा से हाथ जोड़कर बोला- ÷ महाराज ! मुझे बीस कोड़े मारे जाएं। मछुआरे की बात सुनकर राजा को बड़ा आश्चर्य हुआ और उसने फिर से मछुआरे से कुछ मांगने के लिए कहा किंतु मछुआरे ने फिर 20 कोड़े खाने का इनाम माँगा ।

राजा ने अपने सैनिकों को बुलाया और मछुआरे को 20 कोड़े मारने का आदेश दिया। सैनिकों ने मछुआरे को कोड़े मारना शुरू किया। 10 कोड़े खाने के बाद मछुआरा राजा से बोला- महाराज ! मुझे आप जो भी इनाम देंगे उसका आधा हिस्सा मुझे मेरे हिस्सेदार को देना पड़ेगा इसलिए बाकी के दस कोड़े मेरे हिस्सेदारी को दे दिए जाएं।

मछुआरे की बात सुनकर राजा को फिर आश्चर्य हुआ और राजा ने उसके हिस्सेदार का नाम पूछा। मछुआरा मंत्री की तरफ इशारा करते हुए बोला - महाराज ! यही मेरे हिस्सेदार हैं। इन्होंने ही मुझे आपके पास लाने के बदले प्राप्त ईनाम का आधा हिस्सा मांगा है। ाजा ने मंत्री की ओर देखा तो मंत्री ने शर्म से अपना सर झुका लिया। राजा ने आदेश दिया कि बाकी की दस कोड़े मछुआरे के हिस्सेदार को मारे जाएं। सैनिकों ने राजा के आदेश पर मंत्री को दस कोड़े मारे। राजा ने मंत्री को उसके लालच के कारण अपने मंत्री पद से हटकर राज्य से बाहर कर दिया और मछुआरे को बहुत सारा इनाम देकर विदा किया।

सीएम भजनलाल को जयपुर के भाजपा मुख्यालय में कमरा नंबर 5 आवंटित

जयपुर (नि.सं.)। राजस्थान में भाजपा सरकार बने दो साल से ज्यादा समय हो चुका है और अब जाकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को जयपुर स्थित पार्टी के मुख्यालय में एक स्थायी कमरा आवंटित किया गया है। भाजपा कार्यालय का रूम नंबर 5 अब पूरी तरह मुख्यमंत्री के लिए आरक्षित कर दिया गया है और बाहर उनके नाम की नेमप्लेट भी लगा दी गई है। सोमवार को भाजपा के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने इस कमरे में बैठकर काम शुरू किया और औपचारिक उद्घाटन किया। खास बात यह है कि यही कमरा पहले पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को आवंटित था, जब वह मुख्यमंत्री और प्रदेश पार्टी अध्यक्ष दोनों पदों पर थीं।पार्टी अधिकारियों के अनुसार, यह कमरा सरकार और संगठन के बीच बेहतर तालमेल बनाने के लिए अहम भूमिका निभाएगा।

हनुमान जन्मोत्सव पर श्री वीर हनुमान धाम सामोद में उमड़ा जन सैलाब

जयपुर (संस्कार सृजन)। भगवान राम के सेवक और परम भक्त; परम वीर और महाबली समस्त सद्गुणों की साक्षात् खान अष्ट सिद्धियों और नव निधियों के स्वामी तथा ज्ञान के असीम भंडार हनुमानजी का जन्मोत्सव हर गली मोहल्लों के हनुमान मंदिरों में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया व भगवान का अभिषेक किया गया और उन्हें नवीन चोला पान और मिष्ठान का भोग लगाया गया।

सिद्धपीठ वीर हनुमान धाम पर्वत (सामोद) में हनुमानजी को 108 औषधियों युक्त जल से अभिषेक किया गया। चोला चढ़ाया गया व भगवान का फूलों से श्रृंगार किया गया और महन्त जगत गुरु अवध बिहारी देवाचार्य ने आरती उतारी मंदिर परिसर में दिन भर भजनों एवं सुंदर कांड हनुमान चालीसा पाठों से गुंजायमान रहा ।

पूरे दिन यहां श्रद्धालुओ के जत्थे के जत्थे दर्शनों के लिए आते रहे, हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हनुमानजी दर्शन किये ।

इस अवसर पर मंदिर में भव्य छप्पन भोग अर्पण किया एवं रात्री को जागरण, भजनों की प्रस्तुतियों से सैकड़ो पद?यात्री दर्शनार्थ आये । हनुमान जी कलियुग में तत्काल फल देने वाले देवता हैं ।

सच्ची घटना पर आधारित फिल्म 'नेटवर्क मार्केटिंग' बनी चर्चा का केंद्र

मुंबई (संस्कार सृजन)। स्टेज ऐप पर रिलीज़ हुई सच्ची घटना पर आधारित फिल्म नेटवर्क मार्केटिंग इन दिनों दर्शकों के बीच खासी चर्चा का विषय बनी हुई है। इस फिल्म को जयांजलि प्रोडक्शन के बैनर तले निर्मित किया गया है, जिसकी निर्माता अंजली त्रिपाठी हैं, जो अपने सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर फिल्में बनाने के लिए जानी जाती हैं।अंजली त्रिपाठी की फिल्मों की खासियत हमेशा से समाज की अंदरूनी समस्याओं को उजागर करना रही है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत छोटे स्तर से की थी, लेकिन आज वे अपनी सशक्त और विचारोत्तेजक कहानियों से लेकर आई है नेटवर्क मार्केटिंग भी इसी कड़ी में एक अहम फिल्म है, जो एक संवेदनशील और वास्तविक मुद्दे को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करती है।

फिल्म का निर्देशन राजा रणदीप गिरी ने किया है, जो अपनी बेहतरीन निर्देशन शैली और कलाकारों को अभिनय की पूरी स्वतंत्रता देने के लिए जाने जाते हैं। उनके निर्देशन में कलाकारों ने अपने किरदारों को जीवंत बना दिया है।

नेटवर्क मार्केटिंग को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। यह फिल्म न सिर्फ मनोरंजन करती है, बल्कि एक महत्वपूर्ण सामाजिक मुद्दे पर सोचने के लिए भी प्रेरित करती है। दर्शक इस फिल्म को अपनी पसंदीदा भाषा-भोजपुरी, गुजराती, हरियाणवी या राजस्थानी में देख सकते हैं। आप भी इस चर्चित फिल्म नेटवर्क मार्केटिंग को जरूर देखें और एक सच्ची कहानी का अनुभव करें।

फ़िल्म विवान को मिला सर्वश्रेष्ठ फिल्म का खिताब

गुवाहाटी (संस्कार सृजन)। शहर के शैक्षिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज करते हुए फ़िल्म 'विवान' को सर्वश्रेष्ठ फ़िल्म का खिताब प्राप्त हुआ है। इसी अवसर पर बहुप्रतीक्षित फ़िल्म 'सपनों के रंग' का पोस्टर भी भव्य रूप से रिलीज़ किया गया। पोस्टर विमोचन समारोह में नरेश कुमार (सहायक आयुक्त, केवीएस क्षेत्रीय कार्यालय गुवाहाटी) एवं कंजलोचन पाठक (प्रधानाचार्य, केवी मालिगांव) की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों अधिकारियों ने न केवल पोस्टर का विमोचन किया, बल्कि इस शैक्षिक पहल को सफल बनाने में टीम को निरंतर सहयोग प्रदान किया ।

UEM में एडवांस्ड IPR मैनेजमेंट और कमर्शियलाइज़ेशन पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का हुआ आयोजन

जयपुर (संस्कार सृजन)

यूनिवर्सिटी ऑफ़ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट कैंपस में एडवांस्ड IPR मैनेजमेंट और कमर्शियलाइज़ेशन पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस कार्यशाला को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग राजस्थान सरकार द्वारा वित्तपोषित किया गया था और इसका उद्देश्य शिक्षाविदों, शोधकर्ताओं, इनोवेटर्स और छात्रों के बीच बौद्धिक संपदा अधिकार और इसके कमर्शियलाइज़ेशन के क्षेत्र में जागरूकता और विशेषज्ञता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न विषयों के फैकल्टी सदस्यों, शोध विद्वानों और छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि, डॉ. आरुषि अजय मलिक, IAS, सचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, राजस्थान सरकार ने सभी प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं भेजीं।

इस सत्र में प्रो. बनानी चक्रवर्ती, कुलाधिपति, IEM-UEM ग्रुप, और प्रो. (डॉ.) सत्यजीत चक्रवर्ती, निदेशक, IEM-UEM ग्रुप सहित प्रतिष्ठित शैक्षणिक नेताओं के संबोधन भी शामिल थे, जो ऑनलाइन माध्यम से इस कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने नवाचार और अनुसंधान उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता पर ज़ोर दिया।

प्रो. (डॉ.) बिस्वजॉय चटर्जी, कुलपति, EM जयपुर ने अनुसंधान, पेटेंट और उद्योग सहयोग के क्षेत्र में विश्वविद्यालय की चल रही पहलों के बारे में बात की। प्रो. (डॉ.) प्रदीप कुमार शर्मा, रजिस्ट्रार और प्रोवोस्ट, EM जयपुर ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया, और शैक्षणिक

तथा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में IPR के महत्व पर ज़ोर दिया।

प्रो. (डॉ.) प्रीति शर्मा (एसोसिएट डीन- मैनेजमेंट) ने प्रबंधकीय निर्णय लेने और नवाचार-संचालित उद्यमिता को सुदृढ़ बनाने में IPR की भूमिका पर प्रकाश डाला। प्रो. (डॉ.) जी. उमा देवी (एसोसिएट डीन-इंजीनियरिंग) ने इंजीनियरिंग शिक्षा और अनुसंधान पद्धतियों के भीतर IPR जागरूकता के एकीकरण पर ज़ोर दिया। प्रो. (डॉ.) मुकेश यादव (एसोसिएट डीन-एकेडमिक्स) ने पाठ्यक्रम डिज़ाइन और शैक्षणिक ढांचों में IPR (बौद्धिक संपदा अधिकार) अवधारणाओं को शामिल करने पर ज़ोर दिया, जबकि प्रो. (डॉ.) तापस सी (एसोसिएट डीन-अनुसंधान) ने पेटेंट फाइलिंग, वित्तपोषित अनुसंधान और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण तंत्र के लिए संस्थागत सहयोग के महत्व पर चर्चा की। यह कार्यशाला ज्ञान के आदान-प्रदान और सहयोग के लिए एक मंच साबित हुई, जिसने प्रतिभागियों को अपने नवाचारों की व्यावसायिक क्षमता का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। इसने प्रतिस्पर्धी वैश्विक वातावरण में बौद्धिक संपत्तियों की सुरक्षा के महत्व को भी रेखांकित किया। कार्यशाला का कुशल समन्वय डॉ. गोविंद राय गोयल और डॉ. अनुराग हैमिल्टन द्वारा किया गया, जिनके समर्पित प्रयासों ने कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मिले पूर्व विधायक रामलाल शर्मा

जयपुर (संस्कार सृजन)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने आज जयपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने चौमूं विधानसभा क्षेत्र के विकास और युवाओं की ज्वलंत समस्याओं को लेकर विस्तृत चर्चा की।

रामलाल शर्मा ने चौमूं के सुप्रसिद्ध धार्मिक स्थल श्री वीर हनुमान जी मंदिर (सामोद) के समग्र विकास हेतु 17 करोड़ की राशि स्वीकृत करने पर क्षेत्र की जनता की ओर से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही बजट में चौमूं विधानसभा क्षेत्र के लिए की गई अन्य महत्वपूर्ण घोषणाओं के लिए भी मुख्यमंत्री को धन्यवाद दिया।

मुलाकात के दौरान शर्मा ने नर्सिंग भर्ती-2023 से वंचित रहे अभ्यर्थियों की पीड़ा को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रमुखता से रखा। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि बड़ी संख्या में पात्र अभ्यर्थी इस भर्ती में नियुक्ति की प्रतीक्षा कर रहे हैं। शर्मा ने मांग की कि युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए इस समस्या का त्वरित और न्यायोचित निराकरण किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रामलाल शर्मा की मांगों पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आश्वस्त किया कि श्री वीर हनुमान जी मंदिर के विकास कार्यों को तीव्र गति प्रदान की जाएगी। साथ ही, नर्सिंग भर्ती-2023 के मामले में सरकार सहानुभूतिपूर्वक विचार कर जल्द ही समाधान निकालने का प्रयास करेगी। मुलाकात के पश्चात रामलाल शर्मा ने कहा, हमारी सरकार जनभावनाओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। चौमूं के विकास और प्रदेश के युवाओं के हितों की रक्षा करना हमारी प्राथमिकता है।

कुमटाल दुर्ग की तलहटी में बनेगा पैनोरमा

जयपुर(नि.सं.)। सिवाना के समृद्ध इतिहास और गौरवशाली विरासत को संरक्षित एवं प्रदर्शित करने की दिशा में राजस्थान सरकार द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया जा रहा है। राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत ने बालोतरा जिले के सिवाना का दौरा कर प्रस्तावित पैनोरमा स्थल का निरीक्षण किया।

दौरे के दौरान ओंकार सिंह लखावत ने कुमटाल दुर्ग की तलहटी में प्रस्तावित पैनोरमा निर्माण की संभावनाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने पर विशेष जोर देते हुए प्रारंभिक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित कर सिवाना के ऐतिहासिक महत्व, पर्यटन की अपार संभावनाओं और क्षेत्रीय विकास को ध्यान में रखते हुए विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। मंत्री लखावत ने कहा कि पैनोरमा निर्माण से न केवल सिवाना के इतिहास को नई पहचान मिलेगी, बल्कि पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे स्थानीय रोजगार के अवसर सृजित होंगे।

आईबीएन स्कूल का नव निर्मित हाल सुंदरकांड की चौपाइयों से हुआ गुंजायमान

जयपुर (संस्कार सृजन)। चौमूं शहर के पुरोहितों का मोहल्ला स्थित इंद्रेश बाल निकेतन सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आज नवनिर्मित हाल का लोकार्पण व संगीतमय सुंदरकांड पाठों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मुख्य प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने स्कूल भवन में स्थापित नवनिर्मित हाल का फीता काटकर उद्घाटन किया।संस्था निदेशक शिक्षाविद हजारी लाल शर्मा व समाजसेवी कैलाश तिवारी ने पूर्व विधायक शर्मा का साफा, दुपट्टा, माला पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान चौमूं के जाने-माने कलाकार ललित शर्मा की टीम व श्रद्धालुओं ने ने सुंदरकांड की चौपाईयों से नवनिर्मित भवन को गुंजायमान कर दिया। वहीं राम कथा वाचक महेश हवेली वाले ने भी भजनों की प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में आरपीएस अधिकारी प्रदीप शर्मा, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आशीष दुसाद, व्यापार मंडल के अध्यक्ष पवन सैनी, शिक्षाविद मेघराज शर्मा, गोपाल रेवडका, आचार्य पंडित रामस्वरूप शर्मा, गौशाला सेवक कैलाश बालम, अशोक

रेवडका सहित अन्य लोगों का संस्थान निदेशक शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा ने माला, दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान विकास शर्मा, हिमांशु शर्मा, शिक्षाविद अजय कुमार शर्मा, लालचंद शर्मा ,दीनदयाल पारीक, मुरारी लाल पारीक ,ओम प्रकाश कुमावत, अजय कुमार कुमावत, मदन लाल कुमावत, संतोष कुमार कुमावत, युवा नेता अनुराग शर्मा , मुरारी लाल शर्मा , गिरधर गोपाल शर्मा, रमाकांत तिवारी, संदीप कुमावत, मामराज, डॉक्टर सांवरमल शर्मा, विनोद बासोतिया, अंबालाल शर्मा, रीमा अग्रवाल, वैष्णवी जांगिड़, गुड्डू जांगिड़,जय प्रकाश सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे ।

ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड 2026 से सम्मानित हुए डॉ. राजेश कुमार सैनी

जयपुर (संस्कार सृजन)। भव्या फाउंडेशन एवं भव्या इंटरनेशनल के संयुक्त तत्वावधान में इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस एवं ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड समारोह जयपुर में संपन्न हुई ।

डॉ. राजेश कुमार सैनी पर्यावरणविद्, हरित गृह विशेषज्ञ एवं इंटरनेशनल ट्रेनर को हाईटेक खेती उद्यानिकी के क्षेत्र में नवाचार, कृषि पत्रकारिता एवं पर्यावरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए ग्लोबल डायमंड आइकन अवार्ड 2026 से सम्मानित किया गया । पूर्व में डॉ. सैनी अंतर्राष्टीय पर्यावरण योद्धा पुरस्कार, समर्पण सुंदरलाल बहुगुणा पर्यावरण अवार्ड, कंजर्वेशन चैंपियंस अवार्ड, राष्टीय गौरव पुरस्कार, बलि राजा कृषि अवार्ड, राष्टीय कृषि गौरव पुरस्कार, किसान वैज्ञानिक पुरस्कार, आई ए डी सी 2020, शेखावाटी गौरव पुरस्कार, धरतीपुत्र सम्मान, शेखावाटी महोत्सव पुरस्कार से सम्मानित है द्य पूर्व में डॉ सैनी नीदरलैंड, बेल्जियम, ऑस्ट्रिया, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स नेपाल, अफगानिस्तान इत्यादि देशों की यात्राएं कर चुके हैं ।

नंद के आनंद भयो जय कन्हैया लाल की से गूंजा महोत्सव

जयपुर (संस्कार सृजन)। विराज फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञान गंगा महोत्सव के चतुर्थ दिवस पर राजविलास गार्डन में भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा का अद्भुत संगम देखने को मिला।

कार्यक्रम में आचार्य सुमंत्र कृष्ण शास्त्री ने वामन अवतार एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्म की दिव्य कथाओं का अत्यंत भावपूर्ण एवं सरल शैली में वर्णन किया। आचार्य ने अपने प्रवचन में बताया कि वामन अवतार में भगवान विष्णु ने वामन ब्राह्मण का रूप धारण कर असुर राजा बलि के अभिमान का हरण किया और धर्म की स्थापना की।

इस प्रसंग के माध्यम से उन्होंने दान, विनम्रता और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। वहीं श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते ही पूरा पांडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। आचार्य ने बताया कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ता है, तब भगवान अवतार लेकर धर्म की रक्षा करते हैं और भक्तों का कल्याण करते हैं। प्रदेशाध्यक्ष भुवनेश तिवाड़ी ने बताया कि कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु कथा श्रवण कर भावविभोर हो उठे और पूरे वातावरण में भक्ति का रस व्याप्त हो गया। विराज फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस महोत्सव में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। आयोजन समिति ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर इस पावन कथा का श्रवण करने का आह्वान किया है।

RNI N0. - RAJHIN/2021/80841
www.sanskarnews.page
EMAIL-sanskarsrijan21@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, सम्पादक राम गोपाल सैनी के लिए उदय प्रिन्टर्स 43 ए, माली कॉलोनी, चांदपोल, जयपुर से मुद्रित तथा वार्ड नं.1, सामोद रोड़ नीमड़ी, ग्राम-मोरीजा, तहसील-चौमूँ, जिला-जयपुर से प्रकाशित।

उपसंपादक- रजनीश सैनी